

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्रकाशित करने के अधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 255]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 17, 1994/ज्येष्ठ 27, 1916

No. 255]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 17, 1994/JYAISTHA 27, 1916

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

संख्या 26/94 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन टी)

नई दिल्ली, 17 जून, 1994

सा. का. नि. 516 (अ):— केन्द्रीय सरकार के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1914 (1914 का 1) जिसे इसमें उसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निम्न 1944 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (चौधा संशोधन) नियम 1994 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. उक्त नियम के नियम 57द में उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा अर्थात् :-

“(3) पूंजीमाल पर मंदत विनिर्दिष्ट शुल्क का मुजरा अनुज्ञात किया जाएगा यदि ऐसे पूंजी माल विनिर्माता द्वारा पट्टे, अवकृष या श्रृण करार पर ऐसी शर्तों और निबन्धनों के अधीन रहते हुए जो केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किए जाएं, अर्जित किए जाते हैं।

[फा. सं. 267/34/94 सी एक्स -8]

हिमांशु गुप्ता, अवर सचिव

पाद टिप्पणः— मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. IV-डी के. उ. तारीख 28 फरवरी, 1944 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

NO. 26/94-CENTRAL EXCISE (NT)

New Delhi, the 17th June, 1994

G.S.R. 516(E).—In exercise of the powers conferred by Section 37 of the Central Excises and Salt

Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said Act) the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said Rules), namely :—

1. (i) These rules may be called the Central Excise (Fourth Amendment) Rules, 1994.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the said Rules, in rule 57 R, for sub-rule (3) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(3) The credit of the specified duty paid on the capital goods shall be allowed if such capital goods are acquired by a manufacturer on lease, hire-purchase or loan agreement, subject to such conditions and restrictions that may be specified in the notification issued by the Central Government.”

[F. No. 267/34/94-CX-8]

HIMANSHU GUPTA, Under Secy.

Foot Note : The principal rules were published in the Gazette of India vide Notification No. 1VD-CE dated 28th February, 1944.

अधिसूचना

सं. 27/94 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

नई दिल्ली, 17 जून, 1994

सा. का. नि. 517 (अ):— केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 57R के उपनियम (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित शर्तों और निबन्धनों को विनिर्दिष्ट करती है जिनका पालन पूंजी माल पर संदत्त विनिर्दिष्ट शुल्क के मुजरा का उपभोग करने वाले विनिर्माता द्वारा जब किया जाएगा जब ऐसे पूंजी माल किसी वित्तीय कंपनी से पट्टे, अवक्रीय या ऋण करार पर अर्जित किए जाते हैं :

(i) विनिर्माता, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष उक्त नियम के नियम 57R के अधीन यथाअपेक्षित एक घोषणा फाइल करेगा ;

(ii) जहां पूंजीमाल पर संदत्त विनिर्दिष्ट शुल्क का उपभोग करने वाले विनिर्माता ने, विनिर्दिष्ट शुल्क का अपवर्जन करते हुए, ऐसे पूंजी माल की लागत का वित्त पोषण करने के लिए कोई वित्तीय करार किया है, वहां विनिर्माता विनिर्दिष्ट शुल्क के संदाय के माध्यमस्वरूप उक्त नियम के नियम 57R में निर्दिष्ट वित्तीय कंपनी के करार की एक प्रति के साथ बीजक की एक प्रति प्रस्तुत करेगा

(iii) जहां पूंजी माल पर संदत्त विनिर्दिष्ट शुल्क का उपभोग करने वाले विनिर्माता ने ऐसे पूंजीमाल का जिसके अनुरूप विनिर्दिष्ट शुल्क भी हैं, वित्त पोषण करने के लिए कोई वित्तीय करार किया है वहां विनिर्माता वित्तीय कंपनी से करार की एक प्रति के साथ एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि उक्त विनिर्माता द्वारा ऐसे पूंजी माल पर ऐसी वित्तीय कंपनी को प्रथम पट्टा भाटक किस्त या प्रथम अवक्रीय किस्त या ऋण के प्रति संदाय को प्रथम अग्र किस्त से पहले विनिर्दिष्ट शुल्क का संदाय कर दिया गया है ;

परन्तु ऐसे पूंजी माल पर संदत्त विनिर्दिष्ट शुल्क का मुजरा तब तक अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसा विनिर्दिष्ट शुल्क ऐसे पूंजी माल पर संदेय सम्पूर्ण शुल्क को खोपित नहीं करता है ;

(iv) विनिर्माता और वित्तीय कंपनियां पूंजी माल के मूल्य के उस भाग पर जो ऐसे पूंजी माल पर संदत्त विनिर्दिष्ट शुल्क की रकम खोपित करते हैं, आय कर अधियों के अधीन किसी अवशेषण का दावा नहीं करेगी।

(v) उक्त नियम के अध्याय 5 के खंड “कक कक” विनिर्दिष्ट माल के विनिर्माता के लिए प्रयुक्त पूंजी माल पर संदत्त शुल्क का मुजरा के अधीन उपदधित उद्दिष्ट का अनुसरण किया जाएगा।

(vi) उक्त नियम के नियम 57R के अधीन ऐसे पूंजीमाल पर संदत्त विनिर्दिष्ट शुल्क के मुजरा का उपभोग करने के प्रयोजन के लिए अपेक्षित सुसंगत दस्तावेजों पर वित्तीय कंपनी के साथ विनिर्माता का नाम होगा।

[फा. सं. 267/34/94 सी एक्स -8]

हिमांशु गुप्ता, अवसर सचिव

NOTIFICATION

NO. 27/94-CENTRAL EXCISE(NT)

New Delhi, the 17th June, 1994

G.S.R. No. 517(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (3) of rule 57R of the Central Excise Rules 1944 (hereinafter referred to as the said Rules), the Central Government hereby specifies the following conditions and restrictions that shall be observed by a manufacturer availing credit of the specified duty paid on the capital goods when

such capital goods are acquired, on lease, hire-purchase or loan agreement, from a financial company :—

- (i) The manufacturer shall file a declaration before the Assistant Collector of Central Excise as required under rule 57T of the said Rules.
- (ii) When the manufacturer availing credit of the specified duty paid on capital goods, has entered into a financial arrangement for financing the cost of such capital goods excluding the specified duty, the manufacturer shall produce a copy of the invoice as referred to in rule 57T of the said Rules, evidencing payment of specified duty along with a copy of the agreement with the financial company;
- (iii) When the manufacturer availing credit of the specified duty paid on capital goods has entered into a financial arrangement to finance the cost of such capital goods including the specified duty, the manufacturer shall produce a certificate from the financial company that duty specified on such capital goods has been paid by the said manufacturer to such financial company, prior to the first lease rental instalment or the first hire-purchase instalment or the first loan instalment of repayment of loan along with a copy of the agreement :

Provided that no credit of the specified duty paid on such capital goods shall be allowed unless such specified duty represents the whole of duty payable on such capital goods;

- (iv) The manufacturer and the financial companies shall not claim depreciation under the Income-Tax laws on that part of the value of capital goods which represents the amount of specified duty paid on such capital goods;
- (v) The procedure provided under section "AAAA. CREDIT OF DUTY PAID ON CAPITAL GOODS USED BY THE MANUFACTURER OF SPECIFIED GOODS" of Chapter V of the said Rules is to be followed;
- (vi) The relevant documents required for the purpose of availing credit of the specified duty paid on such capital goods under rule 57T of the said Rules shall bear the name of the manufacturer along with that of the financial company.

[F. No. 267/34/94-CX-8]

HIMANSHU GUPTA, Under Secy.

